

डॉ. एलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 16, जोशुआ

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

कितने समय के लिए? एक सप्ताह? डेढ़ सप्ताह? आइए हम मिलकर प्रार्थना करें।

स्वर्ग में हमारे दयालु पिता, हमें याद है कि आपने हमें इस सप्ताह से बाहर निकाला है। आपने अपनी कृपा और अपनी भलाई और अपनी सुरक्षा, अपनी दया और विशेष रूप से मसीह के माध्यम से हमारे प्रति अपने प्रेम के द्वारा हममें से प्रत्येक को हमारे जीवन में इस बिंदु तक पहुँचाया है।

और पिता, हम एक साथ प्रार्थना करेंगे कि आप आज हमें सिखाएँ, हमारे दिलों को जीवंत करें, हमारे अंदर जल रहे अंगारे को ज्वाला में बदल दें। पिता, हम अच्छी तरह से जानते हैं कि यह सेमेस्टर का वह समय है जब लोग थके हुए और तनावग्रस्त होते हैं और बहुत चिंता होती है क्योंकि हम कमजोर हैं, प्रभु, और हमें आपकी कितनी ज़रूरत है। और इसलिए, हम उस ज़रूरत को स्वीकार करते हैं और हम आपसे बस यही विनती कर रहे हैं कि आप हम में से हर एक के साथ मौजूद रहें।

जिनकी परीक्षाएँ आने वाली हैं, उनकी मदद करें और उन्हें पढ़ाई के लिए समय दें। हमें स्वस्थ रखें, लेकिन केवल शारीरिक रूप से ही नहीं, हमें आध्यात्मिक रूप से भी स्वस्थ रखें और टूटे और घायल दिलों को फिर से स्वस्थ करें, हम प्रार्थना करते हैं। हम मसीह के नाम पर आपकी कोमल दया की माँग करते हैं, आमीन।

खैर, हमें बस थोड़ा सा समीक्षा करनी है। हम विजय और निपटान कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि हम जोशुआ की पुस्तक को एक झटके में पूरा कर रहे हैं। ऐतिहासिक भूगोल का एक कोर्स करें जहाँ हम थोड़ा धीमा हो जाएँ।

यह पुराने नियम के माध्यम से आगे बढ़ते हुए लहरों की चोटी से टकराना और उनसे टकराना है। कुछ बातें, खैर, बस एक सवाल। अब तक इस्राएल के लोगों के लिए क्या हासिल हुआ है? अब हम पेंटाट्यूक के अंत तक पहुँच चुके हैं।

क्या हुआ? उस परीक्षा में क्या आया? भगवान ने अपने लोगों के लिए क्या किया है? यह कोई आलंकारिक प्रश्न नहीं है। जिंजर। ठीक है, उसने उन्हें मिस्र से छुड़ाया है और अपने उद्धार में उन्हें यह गहरा सबक सिखाया है।

अब, हम अभी तक वादा किए गए देश में नहीं पहुँचे हैं, लेकिन हम इसे देख रहे हैं। ठीक है, सारा। अच्छा, तो हमारे पास एक तम्बू है, हमारे पास बलिदान हैं, हमारे पास मध्यस्थ हैं, हमारे पास पूजा की पूरी व्यवस्था स्थापित है ताकि ये लोग ईश्वर के पास जा सकें और किसी छोटे तरीके से अदन में वापस जाने का अनुभव करना शुरू कर सकें, जो कि हम सभी अदन और उत्पत्ति के

बीच की इस पूरी अवधि में लक्ष्य कर रहे हैं और जो हमारे पास रहस्योद्घाटन की पुस्तक में है, चेस्सी।

हाँ, भगवान ने उन्हें रेगिस्तान में, उस बड़े भयानक और विशाल जंगल में, जहाँ बिच्छू, साँप और इसी तरह की अन्य कई जीव-जंतु थे, बहुत शक्तिशाली तरीके से सहारा दिया है। बिल्कुल, सही, बढ़िया। मैककेना।

हाँ, वाचा को नज़रअंदाज़ मत करो। यह हमें उत्पत्ति की ओर वापस ले जाता है, है न? वाचा अब्राहम के साथ स्थापित की गई थी, और फिर, बेशक, सिनाई वाचा उस पर निर्माण करने जा रही है। बढ़िया, और मुझे खुशी है कि आप अब्राहम और वाचा पर वापस गए क्योंकि हम वास्तव में बस एक पल में उत्पत्ति 15 का उल्लेख करने जा रहे हैं।

और कुछ? हाँ, केटी। हमारे पास टोरा है, जिसमें इसके अनुप्रयोगों, नैतिक मुद्दों, नैतिक मुद्दों, स्पष्ट रूप से सामाजिक और नागरिक मुद्दों की पूरी श्रृंखला है, और फिर साराह अनुष्ठान टोरा और भगवान के पास जाने के संदर्भ में जिस चीज़ के बारे में बात कर रही थी। तो, टोरा वहाँ है।

और कुछ? मैं अपने दिमाग से कुछ भी नहीं सोच पा रहा हूँ। मुझे यकीन है कि बहुत सी बातें होंगी, लेकिन हम सभी, हाँ, उसने अब्राहम से किए गए कुछ वादे पूरे किए हैं, और अब जब हम भूमि पर जा रहे हैं, तो हम इसे वास्तव में बड़े पैमाने पर पूरा करने जा रहे हैं क्योंकि उत्पत्ति 15 में याद रखें, परमेश्वर कहता है, आप जानते हैं, या अब्राहम कहता है, मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं इस भूमि पर जा रहा हूँ? और परमेश्वर कहता है कि तुम गुलाम बनाए जाओगे। तुम्हारे वंशज 400 साल तक गुलाम रहेंगे, लेकिन मैं तुम्हें वापस लाऊंगा।

और इसलिए यह सामने आने वाला है। अच्छा, अच्छा। हमें कुछ अन्य मुद्दों पर भी बात करनी है, क्योंकि हम यहाँ बात कर रहे हैं।

यह बाइबिल के विद्वानों के लिए एक तकनीकी शब्द है। और वैसे, अगर किसी को कुछ पैसे चाहिए तो यहाँ फर्श पर 35 सेंट पड़े हैं। अभी देखा।

देखिए लोग क्लास के बाद कितनी तेजी से भागते हैं। कभी-कभी, आप इसे ड्यूटेरोनोमिस्टिक इतिहास के रूप में देखेंगे, और कभी-कभी, आप इसे ड्यूटेरोनोमिक इतिहास के रूप में देखेंगे। वहाँ कुछ तकनीकी अंतर हैं, लेकिन मैं जो कहना चाहता हूँ वह बस इतना ही है।

जैसा कि आप जोशुआ, न्यायियों, 1 और 2 शमूएल, और 1 और 2 राजाओं की पुस्तकों को देखते हैं, दूसरे शब्दों में, निर्वासन से पहले लोगों के देश में रहने की पूरी अवधि को शामिल करते हुए, वे इस दृष्टिकोण से लिखे गए हैं कि लोग वाचा के प्रति आज्ञाकारी हैं या नहीं। और विशेष रूप से वाचा के प्रति जैसा कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में व्यक्त किया गया है। इसलिए, जब लोग पुस्तकों की इस अवधि और उस समय अवधि को देखते हैं, जो यहोशू से लेकर 2 राजाओं के अंत और निर्वासन में जाने तक है, तो वे इसे व्यवस्थाविवरण इतिहास या व्यवस्थाविवरण इतिहास कहते हैं।

जैसा कि मैंने कहा, यह भी उनमें से एक हो सकता है। इसलिए, इसे ध्यान में रखें। आप इसे समय-समय पर DH के रूप में संक्षिप्त रूप में देखेंगे।

कई अन्य डी.एच. भी हैं, जिनके बारे में हम बात नहीं करेंगे। जब मैं इसका उल्लेख करता हूँ, तो यह इतिहास की इस पूरी अवधारणा को संदर्भित करता है कि लोग वाचा का पालन कर रहे हैं या नहीं, वे आज्ञाकारी हैं या नहीं। और बेशक, जैसा कि आप जानते हैं, ज़्यादातर समय वे ऐसा नहीं करते हैं।

इसलिए, वे उन चीज़ों का अनुभव करने जा रहे हैं जो व्यवस्थाविवरण के अंत में, विशेष रूप से अध्याय 28 में व्यक्त दंड का हिस्सा हैं। यदि वे अवज्ञा करते हैं, तो युद्ध होगा; रक्तपात होगा; अकाल होगा; बीमारी और संकट होगा; और अंत में, निर्वासन होगा। इसलिए, इसे ध्यान में रखें।

यह एक महत्वपूर्ण बात है। यह बहुत जटिल मुद्दा है, लेकिन अभी हम इसके बारे में यही करने जा रहे हैं। दूसरी बात जिस पर हम ध्यान देना चाहते हैं, वह मुख्य रूप से भू-राजनीतिक चिंता से संबंधित है।

और मैं इसे थोड़ा सा खोलना चाहता हूँ। अपने दिमाग में यह बात रखें कि आप एल अमरना पाठ के अंशों पर पुराने नियम के समानांतर सामग्री को बहुत ध्यान से पढ़ना चाहते हैं। इसलिए यदि आपने अभी तक ऐसा नहीं किया है तो आप वापस जाकर उनकी समीक्षा कर सकते हैं।

लेकिन भू-राजनीतिक रूप से उस भूमि पर जो इज़राइल बनने जा रही है, वह भूमि जिसका वादा ईश्वर ने उनसे किया है, इज़राइलियों के आने से पहले, हमारे पास कनानी शहर-राज्यों की एक पूरी श्रृंखला है। बड़ी-बड़ी राजनीतिक संस्थाएँ नहीं हैं। इसके बजाय, ये काफी छोटे शहर और उनके आस-पास के गाँव हैं, अगर आप चाहें तो।

और वे उस समय कनान में भू-राजनीतिक इकाइयाँ थीं। जैसा कि आप एल अमरना के ग्रंथों को पढ़ते हैं, और वैसे, ये वे पत्र हैं जो मिस्र में पाए गए थे, और वे शहर-राज्यों के शासकों की दलीलों और अपीलों और शिकायतों और कुंठाओं का वर्णन करते हैं जो मिस्र को वापस भेजे गए थे, जिसमें शिकायत की गई थी कि मिस्र वास्तव में वह नहीं कर रहा है जो उसे उस समय कनान में चल रही कुछ चीज़ों को नियंत्रित करने के लिए करना चाहिए। क्योंकि आप देखते हैं, मिस्रियों ने, सिद्धांत रूप में, उस समय कनान पर अपना राजनीतिक नियंत्रण रखा था।

लेकिन फिरौन में से एक जिसका नाम अखेनाटेन है, और मुझे यकीन है कि आपने उसके बारे में सुना होगा, हमने उसका संक्षिप्त उल्लेख किया है, लेकिन आपने शायद अपने इतिहास की कक्षाओं में उसके बारे में पढ़ा होगा, वह किसी तरह के एकेश्वरवाद को विकसित करने में अधिक चिंतित था, जिसे हम यहोवा के एकेश्वरवाद के रूप में नहीं जानते हैं, लेकिन वह ऐसा करने में इतना व्यस्त है कि वह कनान में जो कुछ हो रहा है उससे अपना संपर्क खो रहा है और चीज़ें नियंत्रण से बाहर हो रही हैं। और इसलिए, आपके पास इन शहर-राज्यों के नेता पत्र लिख रहे हैं, और निश्चित रूप से, वे पत्र हैं जो पाए गए हैं, और फिर हम इस स्थिति के बारे में बहुत कुछ जानते हैं जैसा कि मैंने अभी आपके लिए इसका वर्णन किया है। क्या यह समझ में आता है अगर मैं

इसके साथ अंग्रेजी में बात करूं? पत्र अक्कादियन में लिखे गए हैं, और कभी-कभी, जब मैं चेहरों पर नज़र डालता हूँ, तो मुझे आश्चर्य होता है कि क्या मैं अक्कादियन बोल रहा हूँ, ऐसा नहीं है कि मुझे पता है कि कैसे, लेकिन किसी भी दर पर, यही बात है।

अब, इन पत्रों में हबीरू या अपिरू नामक लोगों के समूह का भी उल्लेख है, जो एक ही समूह के लोगों को संदर्भित करता है। भाषाओं के लिप्यंतरण के विभिन्न तरीके। हबीरू, या इन लोगों का वर्णन कैसे किया जाता है, वे कैसे बोलते हैं, वे क्या करते हैं, हम कह सकते हैं कि मैंने जो दो बातें वहाँ नोट की हैं, वे किसी प्रकार की जातीय पहचान को संदर्भित करती हैं।

मुझे नहीं पता कि इसकी सीमाएँ क्या हैं, लेकिन कुछ ग्रंथों में उनका वर्णन इस तरह से किया गया है कि हम उन्हें एक जातीय समूह के रूप में सोच सकते हैं, लेकिन कुछ हद तक अस्पष्ट सीमाएँ। दूसरी बात जो हम नोट करना चाहते हैं वह यह है कि लगातार, चाहे हम न्यूज़ी ग्रंथों को पढ़ रहे हों, चाहे हम एल अमरना ग्रंथों को पढ़ रहे हों, दोनों में ही इन लोगों का उल्लेख है, ऐसा लगता है कि वे अपने व्यापक पेशेवर के रूप में हैं, और जैसा कि मैंने वहाँ देखा है, उनकी पेशेवर भूमिका, किसी तरह की सेना है। शायद वे भाड़े के सैनिकों के बराबर हो सकते हैं।

वे सभी निम्न वर्ग के नहीं हैं। कभी-कभी, आप पढ़ते हैं कि वे सभी निम्न वर्ग के, हाशिए पर पड़े हुए लोग हैं। यह इतना आसान नहीं है।

वे बहुत घूमते हैं। वे बहुत घूमते हैं, लेकिन शायद यह उनका वर्णन करने का सबसे अच्छा तरीका है। अब, ज़ाहिर है, सवाल हमेशा उठता है क्योंकि हबीरू थोड़ा हिब्रू जैसा लगता है, है न? और इसलिए, कुछ समय के लिए, कुछ विचार थे कि जब हिब्रू लोग कनान में आए, तो वे ये अपिरू थे, और यह प्रतिनिधित्व करने का एक अलग तरीका है, दूसरे शब्दों में, एक अलग भाषा में, लोगों के एक निश्चित समूह का शीर्षक।

ऐसा नहीं है, और इस पर बहुत काम किया गया है ताकि यह संकेत दिया जा सके कि हिब्रू शब्द, जैसा कि हम बाइबिल के पाठ में पढ़ते हैं, इन अपिरू के समान नहीं है। अब, यह कहने के बाद, यहाँ कुछ ऐसा है जिसे आपको ध्यान में रखना चाहिए, और मुझे लगता है कि मैंने यह पहले भी कहा होगा, लेकिन मैं इसे फिर से कहूँगा। जब हिब्रू शब्द का उपयोग पुराने नियम में किया जाता है, तो यह आमतौर पर तब दिखाई देता है जब विदेशी लोग परमेश्वर के लोगों का उल्लेख करते हैं।

अन्यथा, उन्हें क्या कहा जाता है? इस्राएली। यह परमेश्वर के लोगों को संदर्भित करने का सामान्य तरीका है जैसा कि हम उन्हें प्रथम नियम में बातचीत करते, विकसित होते और घूमते हुए देखते हैं। इस्राएली, यानी इस्राएल के बच्चे, याकूब के बेटे।

लेकिन जब विदेशी लोग उन्हें मिस्र के रूप में संदर्भित करते हैं, तो आप जानते हैं, इब्रानियों के भगवान की पूजा करते हैं, या जब हम पलिशियों की बात करते हैं, तो उन्हें इब्रानी कहा जाता है। और इसलिए यह हो सकता है, और फिर से, यह वह जगह है जहाँ शायद यह बात आती है, यह हो सकता है कि इस भूमि में आने वाले लोगों के इस समूह को वास्तव में बाहरी लोगों द्वारा हबीरू

की तरह माना जाता था, जो लोगों का एक बहुत बड़ा समूह था। क्या मैं इसे समझ रहा हूँ? अगर मैं नहीं समझ रहा हूँ, तो कृपया मुझसे पूछें।

ऐसा नहीं है कि यह परीक्षा में निबंध प्रश्न के रूप में समाप्त होने वाला है, लेकिन अगर मेरी बात समझ में नहीं आ रही है, तो कृपया पूछें। ठीक है, यह महत्वपूर्ण है। इसे ध्यान में रखें।

अगली बात जो हमें कहने की ज़रूरत है, वह बस वही है जो मैंने यहाँ कहा है, और वह यह है कि, आप जानते हैं, कभी-कभी जब आप जोशुआ की किताब पढ़ते हैं, तो आपको यह एहसास होता है कि, वाह, छह हफ्तों में, उन्होंने पूरी ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया। यह बिल्कुल वैसा नहीं होता। उन्हें वहाँ पहुँचने में, वास्तव में, लगभग सात साल लग जाते हैं।

तो, कुछ महत्वपूर्ण लड़ाइयाँ हैं, और हम आज उनमें से कई के बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन फिर वास्तविक समझौता समय की अवधि में सामने आता है। उनका मुख्य शिविर, उनका शिविर जहाँ वे स्थित हैं जहाँ से वे बाहर निकलते हैं और भूमि पर ये छापे मारते हैं, वास्तव में जॉर्डन घाटी में गिलगाल नामक स्थान पर है, जो जेरिको से बहुत दूर नहीं है। तो, इसे भी ध्यान में रखें क्योंकि मुझे लगता है कि यह हमें एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर मदद करेगा।

पुराने नियम के संबंध में आप कितना अधिक पढ़ने जा रहे हैं, इस पर निर्भर करते हुए, मुझे उम्मीद है कि चाहे आपका मुख्य विषय कुछ भी हो, आप पुराने नियम को पढ़ना और उसका अध्ययन करना जारी रखेंगे। मुझे वाकई उम्मीद है कि यह सच है। आखिरकार, हम जानते हैं कि यह कितना आधारभूत है।

लेकिन आप जो भी पढ़ेंगे, वह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप किस विद्वत्ता में रुचि रखते हैं, कि यहोशू की पुस्तक और न्यायियों की पुस्तक एक दूसरे से सहमत नहीं हैं। वे एक दूसरे से सहमत नहीं हैं। वे एक दूसरे से टकराते हैं, और वे दो पूरी तरह से अलग स्थितियों और दो पूरी तरह से अलग परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अगर आप इस सामग्री को ध्यान से पढ़ें, तो यह सच नहीं है, खासकर अगर आप समझते हैं कि इस समझौते में कुछ समय लगा, और यह हमेशा पूरी तरह से सफल नहीं रहा। और वास्तव में, जब हम न्यायियों की पुस्तक में जाते हैं, तो हम कुछ कारणों को देखते हैं कि वे विशेष रूप से सफल क्यों नहीं हुए, क्योंकि उनमें अवज्ञा के आरंभ से ही कुछ बुरे पैटर्न होते हैं। इसलिए, इसे ध्यान में रखें क्योंकि हम न केवल आज बल्कि अगले सप्ताह भी आगे बढ़ेंगे।

आज कौन सा दिन है? क्या यह शुक्रवार है? अगले सप्ताह भी, है न? ठीक है, यह संभवतः अगला मुद्दा है जो संभवतः हमारी चिंता का सबसे बड़ा क्षेत्र है जब हम यहोशू से निपटते हैं क्योंकि जब आप लोगों से बात करते हैं, तो आप जानते हैं, पहली बात जो सामने आती है, वह यह है कि पुराने नियम का परमेश्वर कनानियों को मिटाने के लिए किस तरह की आज्ञा दे सकता है? वास्तव में यही मुद्दा है। तो आइए देखें कि क्या हम इसे थोड़ा खोल सकते हैं। मैं यहाँ सभी उत्तरों का दावा नहीं करता, क्योंकि मुझे परमेश्वर के बारे में पूरी जानकारी नहीं है।

लेकिन मुझे लगता है कि पाठ में जो कहा गया है उसके बारे में हम कुछ बातें कह सकते हैं। तो, चलिए पाठ के साथ थोड़ा सा करते हैं। पहली बात जो हमें कहने की ज़रूरत है वह यह है कि कनानी संस्कृति घृणित थी।

आप व्यापक सांस्कृतिक संदर्भ और उगरिटिक ग्रंथों से जो कुछ जानते हैं, उसके बारे में कुछ पढ़ें, जो कि उस समय अवधि के बहुत समकालीन हैं, जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं, और वहां बहुत ही घृणित बहुदेववाद था। बाल, अशेरा, मोट, अनात, और इसी तरह के अन्य। और अनुष्ठान प्रथाओं के संदर्भ में बहुत सी चीजें चल रही हैं जो पवित्र वेश्यावृत्ति जैसी चीजें थीं।

हमने इस तरह की चीजों के बारे में पहले ही थोड़ी बात की है, लेकिन अब आप इसे फिर से अपने रडार स्क्रीन पर लाना चाहते हैं - इस संबंध में दो बातें। मैं अभी उत्पत्ति 15 नहीं पढ़ने जा रहा हूँ, लेकिन वापस जाकर उत्पत्ति 15 की समीक्षा करूँगा क्योंकि जब परमेश्वर अब्राम के साथ वाचा बाँध रहा था तो उसने यही कहा था।

तुम्हारे वंशज चार पीढ़ियों, 400 वर्षों तक गुलाम रहेंगे। और फिर मैं तुम्हें वापस ऊपर ले आऊँगा। और फिर वह कहता है, क्योंकि एमोरियों का पाप अभी तक भरा नहीं गया है।

दूसरे शब्दों में, भगवान जानता था कि यह आबादी कितनी भयावह थी। वे इंसान हैं। वे हमारे जैसे हैं।

जब हम पुनर्जन्म नहीं लेते और उद्धार नहीं पाते, तो हम वास्तव में गड़बड़ कर देते हैं, और हम दूसरों के लिए भी चीजें गड़बड़ कर देते हैं। लेकिन भगवान की दया से, उसने उन्हें मिटाने से पहले चार शताब्दियाँ दी हैं। सारा।

कनानी और एमोरी लोगों के बीच अंतर। यहाँ इसका त्वरित उत्तर दिया गया है, हालाँकि यह इससे थोड़ा बड़ा है। एमोरी लोग वास्तव में एक समूह हैं जो कहीं और से, उत्तर, उत्तर-पूर्व से इस क्षेत्र में आए प्रतीत होते हैं।

और वे वास्तव में, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं। यदि आप बेबीलोन के बारे में बात कर रहे हैं, तो वे उत्तर-पश्चिम से आते हैं। लेकिन वे अधिक गतिशील आबादी हैं।

और यहाँ यह एक सामान्य किस्म का शब्द है जो जॉर्डन नदी के पश्चिमी और पूर्वी दोनों तरफ रहने वाले लोगों को संदर्भित करता है। जब इस्राएलियों का सामना बाशान के राजा ओग और एमोरियों के राजा सीहोन से होता है, तो वे भी वहाँ होते हैं। इसलिए, यह भूगोल और भौगोलिक स्थान के संदर्भ में एक बड़ा व्यापक शब्द प्रतीत होता है।

कनानवासी जॉर्डन घाटी के पश्चिमी भाग में रहते हैं, इसलिए वे वहाँ ज़्यादा संकेन्द्रित हैं। लेकिन यहाँ बहुत सी अस्पष्ट सीमाएँ हैं।

तो, यह एक अच्छा सवाल है। किसी भी मामले में, दूसरी बात जो हम इस संबंध में नोट करना चाहते हैं, वहाँ मौजूद लोगों की प्रकृति के संदर्भ में, वह है उत्पत्ति 19 की घटना और सदोम और अमोरा को मत भूलना। यह एक बहुत ही दिलचस्प थंबनेल स्केच है।

और जैसा कि मैंने उस घटना के बारे में बात करते समय कहा था, यह सिर्फ एक पाप नहीं था जो उस जगह की विशेषता थी। वे भयानक सामाजिक, यौन, आर्थिक, जो भी आप इसे पाप कहना चाहें, से भरे हुए थे। पूरी संस्कृति बस पतित थी।

तो, इसे ध्यान में रखें। लैव्यव्यवस्था 18.25 इस तथ्य के बारे में बात करता है कि भूमि स्वयं इतनी प्रदूषित थी कि परमेश्वर लोगों को उगल देगा। भूमि स्वयं इतनी प्रदूषित थी कि परमेश्वर लोगों को उगल देगा।

या फिर यह उल्टी कर देगा, मुझे कहना चाहिए, भूमि लोगों को उनकी दुष्टता के कारण बाहर निकाल देगी। उसके प्रकाश में, फिर हम पढ़ते हैं, और मैं हमें व्यवस्थाविवरण तक वापस ले जा रहा हूँ, भले ही तकनीकी रूप से, हम उससे आगे हैं और यहोशू में हैं। मुझे ये आयतें पढ़ने दें जिन्हें मैंने यहाँ इंगित किया है।

जब तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें इस देश में ले आएगा, और फिर वह राष्ट्रों की सूची बनाएगा, जब वह उन्हें उनके हाथों में, तुम्हारे हाथों में सौंप देगा, और तुम उन्हें हरा दोगे, तब तुम्हें उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर देना चाहिए। मैं थोड़ी देर में उस शब्द पर वापस आऊंगा। हिब्रू शब्द हराम है।

मैं थोड़ी देर में उस पर वापस आऊंगा। चलिए शुरू करते हैं - दूसरी कविता का अंत।

उनसे कोई संधि मत करो। उस पर अड़े रहो। और उन पर कोई दया मत दिखाओ।

उनके साथ विवाह न करें। अपनी बेटियों को उनके बेटों को न दें और न ही उनकी बेटियों को अपने बेटों के लिए लें। यहाँ, श्लोक चार में कारणों को समझना शुरू होता है।

क्योंकि वे तुम्हारे बेटों को मेरे पीछे चलने से रोककर दूसरे देवताओं की सेवा करने के लिए विवश कर देंगे, और यहोवा का क्रोध तुम्हारे विरुद्ध भड़केगा और वह शीघ्र ही तुम्हें नष्ट कर देगा। यही तुम उनके साथ करना है। उनकी वेदियों को तोड़ डालो, उनके पवित्र पत्थरों को तोड़ डालो, उनके अशेरा के खंभों को काट डालो, उनकी मूर्तियों को आग में जला दो क्योंकि अब, उन्हें प्राप्त करो क्योंकि तुम यहोवा अपने परमेश्वर के लिए पवित्र लोग माने जाते हो।

प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें पृथ्वी के सभी लोगों में से अपने लोगों, अपनी अनमोल सम्पत्ति के रूप में चुना है। याद रखें कि यह निर्गमन 19 और उस वादे से जुड़ा है जो परमेश्वर करने जा रहा था। अब परमेश्वर आगे कहता है कि उसने इन लोगों को इसलिए नहीं चुना क्योंकि वे वास्तव में महान और अद्भुत थे।

वे हठी, कठोर हृदय वाले हैं, लेकिन ईश्वर ने अपनी दया से उन्हें चुना है। लेकिन उनकी प्रवृत्तियों के कारण, जो हम सभी में होती हैं, अगर वे ऐसे लोगों से घिरे होते जो उन्हें गुमराह करते, तो वे

बहुत आसानी से उस चीज़ में फंस जाते, और ईश्वर यह जानता था। यह कहने का एक कारण था कि आपको उन चीज़ों से छुटकारा पाने की ज़रूरत है जो आपके दिलों को गुमराह करने वाली हैं।

अब हम कहते हैं, ओह, क्या यह भयानक नहीं है? लेकिन हमें वास्तव में जो कहना चाहिए वह यह है कि क्या यह भयानक नहीं है कि हम इतनी आसानी से सबसे कम सामान्य विभाजक तक गिरने के प्रलोभन में पड़ जाते हैं? क्या यह भयानक नहीं है? और ऐसा करने में परमेश्वर वास्तव में उन लोगों की रक्षा कर रहा था। अब, इससे यह आसान नहीं हो जाता। इससे यह सोचना आसान नहीं होता कि यहाँ क्या हो रहा है, लेकिन फिर भी यह पहचानें कि परमेश्वर के पवित्र लोग होने के बारे में कुछ ऐसा है जो हमारी समझ से परे है कि परमेश्वर इसे कितनी गंभीरता से लेता है और हमें इसे कितनी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

बेशक, हमारे समय और युग में, हमारे संदर्भ में, ऐसा करने के अलग-अलग तरीके हैं, लेकिन उस समय के लिए उनकी यही योजना थी। हमें इस बारे में कुछ और कहना है, लेकिन हमें लगता है कि यहाँ कुछ और मुद्दे हैं। हाँ, कहीं ऐसा न हो कि हम यह सोचें कि यह हर किसी के खिलाफ़ प्रतिशोध है, तो ध्यान दें कि क्या हो रहा है।

जब इस्राएल में झूठे भविष्यद्वक्ता भी होते हैं, व्यवस्थाविवरण 13, जब आप इसे पढ़ते हैं तो उस अंश को याद करते हैं? यदि इस्राएल में झूठे भविष्यद्वक्ता हैं जो लोगों को गुमराह कर रहे हैं, तो उन्हें मर जाना चाहिए। और फिर, निश्चित रूप से, पूरे लोग खुद निर्वासन में जाने वाले हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी अपने ढेर सारे पापों के भयानक परिणामों को भुगतने जा रहे हैं। इसलिए, इस्राएल खुद भी उससे मुक्त नहीं है जो परमेश्वर अपने लोगों की शुद्धता और पवित्रता को बनाए रखने के लिए करता है।

अब, फिर से, आप इसे आज के समय में भी लागू कर सकते हैं। आज इसके बारे में सोचने के अलग-अलग तरीके हैं, लेकिन हम इस बात से मुक्त नहीं हैं कि परमेश्वर यह सुनिश्चित करने के लिए क्या करेगा कि हम उसके पवित्र लोग हैं। और हमें उस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने की ज़रूरत है।

हमें अपने बुलावे को ध्यान से जीना चाहिए। इफिसियों में यह बात बहुत स्पष्ट रूप से कही गई है। ठीक है, यहाँ अगला शब्द है जिस पर हम चर्चा करना चाहते हैं, और वह है यह शब्द हैरेम।

अगर आप किसी से इस बारे में बात कर रहे हैं तो आपको उस एच के नीचे एक बिंदु लगाना होगा। यह यहाँ है। मुझे पता है कि यह रोज़मर्रा की बातचीत में आता है, लेकिन यह यहाँ है।

जब आप अपना पाठ पढ़ते हैं, और यह इस शहर के बारे में बात करता है, उदाहरण के लिए, जेरिको, विनाश के लिए समर्पित था या अपरिवर्तनीय रूप से विनाश के लिए भगवान को दिया गया था या कुछ इस तरह की वाक्यांशविज्ञान, जो आप जो अनुवाद पढ़ रहे हैं, उसके आधार पर, यहाँ शब्द या क्रिया रूप है जो इससे आता है। और जैसा कि मैंने संकेत दिया है, इसका मतलब न केवल विनाश के लिए दिया गया है, बल्कि जब आप उस शब्द को पढ़ते हैं और इसे इसके संदर्भ में पढ़ते हैं, तो यह उस संदर्भ में है जहाँ लोग जानबूझकर भगवान के खिलाफ़ विद्रोही रहे

हैं, जो कि भगवान की प्रकृति और चरित्र के संदर्भ में सामान्य प्रकाशन से हमें जो जानना चाहिए उसके विपरीत है और क्या सही या गलत होता है। और निश्चित रूप से, रोमियों 2 को याद रखें, हमारा विवेक हमें इस तरह की बातें बताता है।

तो हेरेम या क्रिया याचिरिम उन संदर्भों में आती है, और उन संदर्भों में इन्हें विनाश के लिए दिया जाता है। काफी रोचक बात है, और हम इसे तब देखेंगे जब हम जेरिको विजय के बारे में बात करना शुरू करेंगे, अगर कोई पहचानता है कि ईश्वर कौन है, पहचानता है कि ये लोग ईश्वर के लोग कौन हैं, और शरण चाहता है, तो उन लोगों के पास वह है। जेरिको में इसका हमारा आदर्श उदाहरण कौन है? उसका नाम क्या है? वह राहाब है, है न? यह राहाब है।

वह समझती है कि यहाँ कुछ नाटकीय हो रहा है, कुछ ऐसा है जो उससे कहीं ज़्यादा बड़ा है जिसे वह और जेरिको का राजा संभाल नहीं सकते। और इसलिए वह शरण माँगी है और उसे शरण मिल जाती है। तो, आप जानते हैं, उन लोगों के लिए कोई रास्ता नहीं है जो ईश्वर की तलाश कर रहे हैं और किसी तरह वे वैसे भी कट जा रहे हैं।

यह उस तरह से काम नहीं करता। अब, मुझे पता है कि इससे आपके सभी मुद्दे हल नहीं होंगे, लेकिन मुझे लगता है कि इससे हमें इस पर व्यापक सांस्कृतिक संदर्भ में और शायद धार्मिक संदर्भ में भी चर्चा करने का कुछ आधार मिलता है। मैं शायद आसान मुद्दों पर आगे बढ़ने जा रहा हूँ।

आप में से जो लोग आरेख और चीज़ों को देखने के योजनाबद्ध तरीके पसंद करते हैं, उनके लिए यह जोशुआ की पुस्तक को देखने का तरीका है। और आप में से जो लोग संगीत के शौकीन हैं, उनके लिए यह ABA फॉर्म है। जब आपने संगीत के रूपों का अध्ययन किया था, तो आपको ABA याद है? हाँ, केटी, आपको यह सब पता है।

यह एक एक्शन बिजनेस अपील है। हमारे पास एक ABA फॉर्म है। मुझे एहसास है कि यह वास्तव में एक खराब सादृश्य है, लेकिन किसी भी दर पर, यह वहाँ है।

पढ़ने में मजेदार वे हिस्से हैं जो एक्शन से जुड़े हैं। जब आप काम पर लग जाते हैं तो आप सोचते हैं, हे भगवान, यह वह नहीं है जिसे मैं आज सुबह भक्ति के लिए चुनना चाहता था। क्योंकि काम में क्या चल रहा है? खैर, यह विरासत बांटना है।

और, बेशक, यहूदा के बारे में अध्याय 15 की 67 आयतें पढ़ना शायद बहुत शानदार न लगे, और आपको इससे दिन भर के लिए कोई बड़ा आध्यात्मिक बढ़ावा न मिले, लेकिन बात यह है। जब आप विरासत के बारे में उन बातों को पढ़ते हैं, या उन पर सरसरी निगाह डालते हैं, या आप उनके साथ जो भी करते हैं, तो दो संदेश मिलते हैं। जैसा कि परमेश्वर कहता है, यहूदा, यहूदा को यह बहुत बड़ी विरासत मिलने वाली है, है न? यहूदा को एक पूरा अध्याय दिया गया था।

उदाहरण के लिए, अध्याय 19 में इस पूरे मामले के अंत तक पहुँचें, और आपको छह जनजातियाँ एक ही अध्याय में मिलेंगी। यहूदा के महत्व के बारे में कुछ। और, ज़ाहिर है, वह दाऊद और दाऊद का बेटा होगा।

तो, यहूदा की वंशावली, यहाँ तक कि विरासत देने में भी, वास्तव में महत्वपूर्ण है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम यहाँ परमेश्वर को अपना वादा निभाते हुए देखते हैं। हाँ, वे अंदर जाते हैं और जीतते हैं, और यही इसकी शुरुआत है, इसमें कोई संदेह नहीं है।

लेकिन अब, यह तथ्य कि वह इन लोगों को विरासत में देता है, इसका मतलब है कि परिवारों के पास ज़मीन होगी, और यह उस ज़मीन पर निरंतर कब्ज़ा होगा जिसे परमेश्वर ने उन्हें दिया है। वह मालिक है, इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन वे किरायेदार हैं। और इसलिए, अब्राहम से किया गया वादा जिसका हमने कुछ समय पहले ज़िक्र किया था, अब्राहम से किया गया वादा, अब बहुत ही वास्तविक तरीके से पूरा हो रहा है।

उन्हें विरासत मिल रही है। तो फिर से, हो सकता है कि वे अध्याय आपके लिए वास्तव में रोमांचक न हों, लेकिन उनके अंतर्निहित सिद्धांतों के बारे में सोचें। हम आज मुख्य रूप से विजय की तैयारी और विजय के बारे में बात करने जा रहे हैं, और फिर समापन में, वास्तव में वाचा नवीनीकरण के बारे में थोड़ा सा।

लेकिन यहोशू के बारे में हमारा योजनाबद्ध दृष्टिकोण है। हमें खुद जोशुआ के बारे में कुछ बातें कहने की ज़रूरत है। उसके नाम का क्या मतलब है? येहोशुआ।

यहोशू का क्या मतलब है? हाँ, और उद्धारकर्ता, प्रभु से भी बढ़कर, वह दिव्य नाम यहोवा इसके आरंभ में ही बना हुआ है, यहोशू। ठीक है, तो इसका अर्थ है प्रभु बचाता है, या प्रभु उद्धार है। इसे दोनों तरह से देखें।

और, ज़ाहिर है, यह किसके नाम का हिब्रू रूप है? यीशु। ठीक है। मेरा मतलब है, आप नए नियम में पढ़ रहे हैं, यीशु ग्रीक में है, लेकिन यह जोशुआ का लिप्यंतरण होगा।

तो, इस मामले में कुछ अच्छे संकेत भी मिल रहे हैं कि आप इसे किस हद तक आगे बढ़ाना चाहते हैं। यह आप पर निर्भर करता है। जोशुआ के काम करने के तरीके में अब तक कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं।

भगवान ने उसे तैयार किया क्योंकि वह अमालेकियों के खिलाफ उस युद्ध में कमांडिंग चीफ के रूप में काम करता था। और याद रखें जब हम निर्गमन 17 और व्यवस्थाविवरण 25 को एक साथ रखते हैं, और केवल निर्गमन 17 को ही नहीं पढ़ते हैं, तो अमालेकियों ने वास्तव में इस्राएलियों के लिए जीवन को कठिन बना दिया था, अंत में कमज़ोर और असुरक्षित लोगों को मार डाला था। मुझे नहीं पता, ऐसा लगता है कि इस्राएली फिलहाल उस युद्ध को हार रहे थे।

यहोशू ने इसकी आज्ञा दी है। इसलिए, कुछ अर्थों में, यह इस पूरे काम के लिए उसकी सैन्य तैयारी है, जिसमें वह जाकर उस देश को जीत लेगा। निर्गमन 32 से 34 में जब मूसा पहाड़ पर था और तम्बू और हारून के लिए निर्देश प्राप्त कर रहा था और परमेश्वर के पास आने के इस अद्भुत काम के लिए, यहोशू भी वहाँ था।

इसलिए, वह जानता है कि इस तरह का अनुभव, वह अलगाव कैसा होता है, क्योंकि, निश्चित रूप से, हारून और बाकी लोग सोने के बछड़े वाली बात कर रहे हैं। और फिर, अंत में, यहोशू देश में भेजे गए जासूसों में से एक है, और यहाँ भी, वह लोकप्रिय राय के विपरीत जा रहा है। वह और कालेब वे लोग हैं जो कहते हैं, हमें वही करना चाहिए जो परमेश्वर हमें करने का आदेश दे रहा है।

जबकि बाकी दस जासूस, सभी नेता, याद रखें कि, वे सभी नेता हैं, और फिर भी वे परमेश्वर की आज्ञा के विपरीत जाने वाले हैं। इसलिए, यहोशू ने पहले से ही इस बारे में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण तैयारी कर ली है कि उससे क्या अपेक्षित है और क्या अपेक्षित होने वाला है। अब मैं अध्याय एक को देखने के लिए कुछ समय लेना चाहता हूँ।

मुझे उम्मीद है कि आप में से कुछ लोगों के पास अपनी बाइबल होगी क्योंकि यहाँ कुछ दिलचस्प बातें हो रही हैं, और हमें उनमें से कम से कम कुछ का जिक्र करना चाहिए। सबसे पहले, अगर आप संडे स्कूल में पले-बढ़े हैं, तो मैं शर्त लगा सकता हूँ कि आपने जोशुआ 1.8 को याद कर लिया होगा। मैं शर्त लगा सकता हूँ। मुझे इसे आपके लिए पढ़ने दें।

यह तब है जब प्रभु ने कहा है, मूसा, मेरा सेवक, मर चुका है, अब तुम जानते हो कि तुम मूल रूप से उसकी जगह लेने जा रहे हो, और परमेश्वर ने वादा किया है, मैं तुम्हारे साथ रहने जा रहा हूँ, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा। श्लोक 8 क्या कहता है? तोराह के इस वचन को अपने मुँह से मत निकलने दो। दिन-रात इस पर मनन करो।

क्या आपको वह याद है? क्या किसी को उसे याद रखना ज़रूरी है? क्या वह तब था जब आप बच्चे थे? क्या अब भी कोई कुछ याद रखता है? ठीक है। दिन-रात इस पर मनन करें ताकि आप इसमें लिखी बातों का पालन करने में सावधान रहें। मैं चाहता हूँ कि आप यह बात ध्यान में रखें।

टोरा के वचन को अपने मुँह से मत निकलने दो। दिन-रात उस पर मनन करो। यह उपदेश हिब्रू बाइबिल के दूसरे भाग की शुरुआत पेंटाटेच से करता है।

यह टोरा है। जोशुआ ने, जिसे हम ड्यूटेरोनॉमिक इतिहास कहते हैं, की शुरुआत की, लेकिन यह उससे भी बड़ा है। यह हिब्रू बाइबिल के दूसरे भाग से शुरू होता है।

क्या आप जानते हैं कि हिब्रू बाइबिल का तीसरा भाग किस पुस्तक से शुरू होता है? भजन संहिता। और भजन 1 का मुख्य फोकस क्या है? तोराह और तोराह पर ध्यान लगाना। क्या आपको यहाँ कुछ दिलचस्प पैटर्निंग दिखती है? जब हम भजन संहिता की पुस्तक से शुरू करेंगे तो हम उसे उठाएँगे।

तो, किसी भी तरह से, जोशुआ को टोरा पर ध्यान लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। और फिर हमारे पास कुछ बहुत ही रोचक घटनाएँ हैं, और मैं बस एक छोटी सी बात पर प्रकाश डालने जा रहा हूँ जो मुझे थोड़ी विडंबनापूर्ण लगती है, और मुझे आशा है कि जब आप इसे पढ़ेंगे तो आपने इसे देखा होगा। वह उन ढाई जनजातियों को थोड़ा सा उपदेश देता है जो पूर्व की ओर रहने वाली हैं।

जॉर्डन नदी के पूर्वी किनारे पर वे ढाई जनजातियाँ कौन हैं? एक आर से शुरू होता है, रूबेन, गाद, और मनश्शे का आधा गोत्र। ठीक है। और यहोशू उन्हें थोड़ा सा उपदेश देता है, और फिर वे कहते हैं, इसके लिए तैयार हो? मुझे यह श्लोक बहुत पसंद है: आपने हमें जो भी आज्ञा दी है, हम उसे करने जा रहे हैं, और जहाँ भी आप हमें भेजेंगे, हम जाएँगे, जैसे हमने मूसा की पूरी तरह से आज्ञा मानी, वैसे ही हम आपकी आज्ञा भी मानेंगे।

क्या आपने वास्तव में इस्राएलियों को मूसा के प्रति बहुत आज्ञाकारी होते नहीं देखा? मैंने संख्या 13 से 20 तक जो भी पढ़ा है, वह ऐसा नहीं है। लेकिन हाँ, और उस समय, यहोशू शायद पीछे मुड़कर भागने के लिए काफी ललचाया होगा क्योंकि उसने भी पैटर्न देखा था। किसी भी दर पर, हम जॉर्डन को पार कर चुके हैं।

इन घटनाओं में मैं आपको जो कुछ दिखाना चाहता हूँ, और मैं उन्हें बहुत जल्दी-जल्दी बताने जा रहा हूँ, वह यह है कि कैसे प्रभु अपनी दया में यहोशू को प्रोत्साहित करते हैं और साथ ही इस्राएलियों को दिखाते हैं कि यहोशू वास्तव में मूसा से कार्यभार संभाल रहा है। यहोशू को मूसा से कार्यभार संभालने के लिए परमेश्वर की पूरी पुष्टि है, और हम यह जानते हैं कि इन घटनाओं के सामने आने पर। जॉर्डन पार करने की घटना कैसे घटित होती है? अच्छा, यहाँ क्या हो रहा है, इसे देखें।

अगर मैं इसे ढूँढ़ पाऊँ, तो जॉर्डन नदी पार करते हुए, अध्याय 3, श्लोक 7 पर जाएँ। प्रभु यहोशू से कहते हैं, आज मैं तुम्हें सभी इस्राएलियों की नज़रों में ऊँचा करना शुरू करूँगा। जब तुम जॉर्डन के पानी के किनारे पहुँचो, तो नदी में जाकर खड़े हो जाओ, और वे ऐसा करते हैं। अध्याय के अंत पर ध्यान दें।

वे वाचा का सन्दूक ले जा रहे हैं, और यह सूखी ज़मीन पर से गुज़रता है। और इसका ज़िक्र एक बार नहीं, बल्कि कई बार किया गया है। यही बात तब भी हुई जब इस्राएलियों ने रीड्स सागर को पार किया।

वे सूखी ज़मीन पर चल रहे हैं। उन्हें इस तरह की चीज़ों के साथ यहाँ समानताएँ देखनी चाहिए। वे फसह का त्योहार भी मनाने जा रहे हैं।

यह वही मौसम है। आपके पास प्रभु की सेना का सेनापति आ रहा है, और वह जोशुआ से क्या कहता है? आप पवित्र भूमि पर खड़े हैं। यह भी काफी परिचित लगता है, है न? और फिर, बेशक, क्योंकि वे जंगल में खुद का खतना नहीं करवा रहे थे, उन्हें चकमक पत्थर के चाकू लेकर खुद का खतना करवाना है।

एक दिलचस्प संभावना। अब, जॉर्डन पार करने के मामले में कुछ और बातें हैं। अगर आप आज जॉर्डन नदी को देखें, तो यह बहुत छोटी है।

यह बहुत छोटा है। वास्तव में, मुझे यकीन है कि जब आप मृत सागर के ठीक उत्तर में इसे देखेंगे तो जॉर्डन नदी इस कमरे से होकर बह सकती है। लेकिन वास्तव में, प्राचीन काल में, बाढ़ के समय, यह लगभग एक मील चौड़ा होता था।

और इसलिए, हम ऐसी चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं जिसे पार करना थोड़ा ज़्यादा मुश्किल होगा। आप में से जो लोग मिडवेस्ट को जानते हैं और मिसिसिपी नदी को कुछ जगहों पर जानते हैं, वह एक चौड़ी नदी है, और उसे पार करना एक बड़ा काम होने वाला है। और इसी तरह, यह पासओवर पर हो रहा है।

यह बाढ़ का मौसम है। यह बरसात के मौसम का अंत है। वहाँ बहुत पानी होगा।

अब इतना पानी क्यों नहीं है? इसके कई कारण हैं, जिनमें से एक यह है कि जॉर्डन और इज़राइल दोनों राष्ट्रों ने माउंट हरमोन की तलहटी से सभी प्रकार के पानी को निकाल लिया है और इसका उपयोग कृषि, औद्योगिक आदि कार्यों के लिए कर रहे हैं। लेकिन उस कारण से अब उतना पानी नहीं है। बस याद रखें कि जब आप जॉर्डन की तस्वीरें देखते हैं जो आपके पर्यटक मित्र या परिवार के साथ वापस आते हैं, तो इसे 3,500 साल पहले की तरह न पढ़ें।

यह इतना छोटा भी नहीं होता। ठीक है, क्या हमें इस बारे में कुछ और कहना चाहिए? उन्होंने स्मारक पत्थर स्थापित किए, जो फिर से इस शैक्षिक बात को दर्शाता है। जब आपके बच्चे आपसे पूछते हैं, इन पत्थरों का क्या मतलब है? आपको उन्हें शिक्षित करना चाहिए।

परंपराओं को आगे बढ़ाना इस पूरी बात का एक प्रमुख हिस्सा है। मुझे खेद है, इसे फिर से कहें? ओह, शास्त्रों का दूसरा भाग? हिब्रू बाइबिल में, यह नेवी'इम है, जो भविष्यद्वक्ता हैं, जिसमें, जैसा कि हम समझते हैं, ऐतिहासिक पुस्तकें और लिखित भविष्यद्वक्ता दोनों शामिल होंगे। नहीं, भविष्यद्वक्ता। जब हिब्रू बाइबिल भविष्यद्वक्ता, नेवी'इम शब्द का उपयोग करती है, तो यह वास्तव में यहोशू से शुरू होता है।

और नेवी'इम में यहोशू, न्यायियों, 1 और 2 शमूएल, राजा, और फिर यशायाह, यिर्मयाह, यहेजकेल, और 12 छोटे भविष्यद्वक्ता शामिल हैं। यह बहुत बड़ी बात है। लेकिन यहोशू ने इसकी शुरुआत की, और इसमें टोरा पर जोर दिया गया है।

हाँ, शुक्रिया। तो, क्या हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं? कुछ हद तक। एक छोटा सा नक्शा।

आप जानते हैं, यह नक्शा बाइबल के NIV एटलस में उपलब्ध है, और निश्चित रूप से यह हमेशा बाइबल के पीछे दिए गए नक्शों का उपयोग करने में भी मदद करता है। नक्शे बहुत अच्छे होते हैं, खासकर अब जब हम खुद को भूमि पर स्थित कर रहे हैं, और जो चीज़ें सामने आने वाली हैं वे ऐतिहासिक घटनाएँ हैं, और वे शतरंज की बिसात पर घटित होती हैं। और इसलिए शतरंज की बिसात को जानना मददगार होता है।

चलो, हम चलते हैं। वे जॉर्डन पार कर चुके हैं, या वे जा रहे हैं, ठीक है, वे जॉर्डन पार कर चुके हैं। हम एक पल में जेरिको पर विजय प्राप्त करने जा रहे हैं।

लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप जेरिको के स्थान के बारे में कुछ नोटिस करें। यह यहीं है, अगर आप चाहें तो बिल्कुल बीच में। आप जानते हैं, इज़राइल इस तरफ नीचे की ओर बढ़ने वाला है, यह उस तरफ ऊपर की ओर बढ़ने वाला है।

बहुत से लोगों ने कहा है कि जब वे जेरिको पर विजय प्राप्त करेंगे, तो वे वास्तव में कनान की इस भूमि के नीचे के हिस्से को देख पाएंगे। ठीक है, यह एक कमजोर जगह होने जा रही है। उन्हें याद है कि जॉर्डन घाटी समुद्र तल से काफी नीचे है।

मृत सागर का उत्तरी छोर समुद्र तल से 1300 फीट नीचे है। इसलिए, उन्हें कुछ ऊपर की ओर बढ़ना है, और हम इस बारे में बात करेंगे कि वे कुछ अभियानों में ऐसा कैसे करते हैं। लेकिन उनका अगला काम ऊपर जाना और ऐ या ऐ की कोशिश करना है।

मैं इसे ऐ कहूँगा, यह इसका हिब्रू उच्चारण है। और हम थोड़ी देर में उस अभियान और उसकी शुरुआती विफलता के बारे में बात करेंगे। फिर, जब वे आखिरकार यहाँ, ऐ और बेथेल के आस-पास के क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लेंगे, तो इसका मतलब है कि उन्हें एक ऊंचे क्षेत्र पर पैर जमाने का मौका मिल गया है।

अगर आप लोगों से नीचे हैं, तो उन पर विजय पाना मुश्किल है, जब वे नीचे थे, तो वे भी नीचे ही थे। लेकिन एक बार जब वे यहाँ ऊपर पहुँच जाते हैं, तो वे एक उपस्थिति बन जाते हैं। वे एक उपस्थिति हैं, और वे थोड़ी सी खतरनाक उपस्थिति हैं।

ध्यान रखें, जैसा कि मैंने पहले कहा, ये शहर शहर-राज्य हैं। और इसलिए, आपके पास गिबोन का एक छोटा शहर-राज्य है, और आपके पास गेजेर का एक शहर है, और आपके पास शेकेम का एक शहर है, और इसी तरह। यहाँ के लोग बहुत घबरा जाते हैं।

और ये चार शहर, अगर आपने आज की कहानी पढ़ी है, तो वे क्या करते हैं? हाँ, वे एक साथ इकट्ठा होते हैं क्योंकि जोशुआ और इस्राएलियों ने उन्हें बुरी तरह डरा दिया है। इसलिए, वे एक साथ इकट्ठा होते हैं, और कहते हैं, ठीक है, हम दूर से आए हैं। आप हमारी फफूंद लगी रोटी देखते हैं, और आप हमारे फटे हुए जूते देखते हैं, और चलो एक संधि करते हैं।

और, बेशक, सबसे दिलचस्प बात यह है, और यह पाठ में बहुत स्पष्ट है, कि यहोशू ने प्रभु से पूछताछ नहीं की। बड़ी गलती। यह संधि इसलिए हुई क्योंकि यह सतही तौर पर ऐसा लगता है कि ऐसा करना एक समझदारी भरा काम है।

लेकिन ध्यान दें कि वे संधि को बनाए रखते हैं। और परमेश्वर की संप्रभुता में, यह उनके वास्तव में आने और इस प्रारंभिक अभियान में दक्षिण में एक बड़ा सफाया करने का साधन बनने जा रहा है। तो, यहाँ इस्राएलियों के साथ संधि, सूचक को काम में लाएं, इस्राएलियों के साथ, और ये चार शहर जो पीले रंग में धुंधले हैं।

एक बार जब वह संधि प्रभावी हो जाती है, तो कुछ और शहर-राज्य घबरा जाते हैं। क्या आपको यहोशू अध्याय 10 याद है? यहाँ आपको यरूशलेम, एक बड़ी ताकत दिखाई देती है। यहोशू,

इस्राएलियों और गिबोनियों के साथ इस क्षेत्र पर कब्ज़ा करने के कारण, यरूशलेम अलग-थलग पड़ गया है।

हम बाद में भूगोल के बारे में और अधिक जानकारी देंगे, लेकिन उनके पास पहुँच के साधन नहीं हैं, पूर्व और पश्चिम दोनों तरफ जाने के, क्योंकि वह यहाँ से ऊपर जाता है और फिर बाहर जाता है। मुझे पता है कि यह नक्शा ऐसा नहीं दिखाता है, लेकिन यरूशलेम के ठीक पश्चिम में यह क्षेत्र इतना ऊबड़-खाबड़ है कि वहाँ कोई सड़क नहीं है जो उस तरफ जाती हो, प्राचीन काल में भी नहीं। और इसलिए, वे जानते हैं कि प्रमुख मार्गों तक उनकी पहुँच के साधन अब किसी ऐसे व्यक्ति के नियंत्रण में हैं जो उनके लिए अजनबी है।

तो, किसी भी हालत में, यरूशलेम इन अन्य शहरों, हेब्रोन, यारमाउथ, लाकीश और एग्लोन के साथ मिल जाता है, और वे जोशुआ के खिलाफ गठबंधन बनाने की कोशिश करेंगे या उसे हरा देंगे। हाँ, सारा। यबूसी शब्द का इस्तेमाल उस संबंध में किया जाता है, और यह यबूस का शहर था। जब हम दाऊद और यरूशलेम पर उसकी वास्तविक विजय के बारे में बात करना शुरू करेंगे, तो हमारे पास इसके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ होगा।

लेकिन हाँ, वे जेबूसाइट हैं। ये सभी छोटी-छोटी इकाइयाँ हैं, हिती, हिवी, जेबूसाइट, पेरिज्जाइट, आदि। वे सभी शायद आदिवासी हैं, अगर आप किसी और चीज़ से ज़्यादा इसके बारे में सोचना चाहते हैं, तो छोटी जातीय पहचानें।

ठीक है, तो यह हमारा नक्शा है, और मूल रूप से, इसे दक्षिणी अभियान कहा जाता है। यह हमें जोशुआ के अध्याय 10 में ले जाएगा, है न? केंद्र से होकर गुजरें, दक्षिण की ओर मुड़ें, और हमारे शेफेला क्षेत्र में प्रमुख शहरों को देखें। तो, यह नक्शे पर इस तरह काम करता है।

अब हम यही कहेंगे कि मैंने पहले ही यही कहा है: वे जेरिको में प्रवेश करते हैं। फिर से, जेरिको एक महत्वपूर्ण स्थान है, देश के संदर्भ में केंद्रीय, उच्च भूमि प्राप्त करता है, वास्तव में एक विभाजन और विजय करता है, क्योंकि यहाँ से उत्तर के शहर अब, आप जानते हैं, दक्षिण के शहरों के साथ संवाद नहीं कर सकते हैं। दक्षिण में घूमें और उन प्रमुख शहरों से निपटें, लेकिन क्या आपने पढ़ते समय ध्यान दिया कि जेरिको और ऐ को छोड़कर इनमें से कोई भी शहर जला नहीं है? उनमें से बाकी, यह सिर्फ एक है, आप जानते हैं, अंदर जाओ, आबादी से निपटो, और फिर वह सामग्री अंततः आपकी हो जाती है।

अब मान लीजिए, जैसा कि मैंने पहले कहा, पहली बात जो वे कर रहे हैं वह है नेताओं से निपटना और जल्दी से जीत हासिल करना। समझौता बाद में होता है। उत्तरी विजय, और मैं इसे एक जीत कहूँगा क्योंकि हालांकि हमारे पास हाज़ोर के राजा के खिलाफ वर्णित प्रमुख जीत है, फिर भी, इसमें बहुत समय लग रहा है, और इसमें अन्य मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं।

हज़ोर बहुत महत्वपूर्ण है, हज़ोर, हज़ोर, ठीक है? इस समय अवधि के दौरान यह शहर बिल्कुल विशाल था। यह जॉर्डन घाटी के पश्चिमी किनारे पर पूरे क्षेत्र का सबसे बड़ा शहर है, गाँव, जॉर्डन घाटी, गाँव; मुझे यह कहाँ से मिला? किसी भी दर पर, जॉर्डन घाटी। यहाँ बात है।

जब आप एल अमर ग्रंथों को पढ़ते हैं, तो हज़ोर का शासक उन ग्रंथों में एकमात्र व्यक्ति है जिसे राजा कहा जाता है। बाकी सभी नेता, शासक हैं। हज़ोर के शासक को राजा कहा जाता है, और इस समय अवधि में, वह विशेष स्थल 200 एकड़ से अधिक था, और आप सोच रहे होंगे, मुझे नहीं पता कि एक एकड़ क्या होता है।

खैर, यरुशलम की जगह, चलो बस तुलनात्मक रूप से सोचें, या उस समय जेबस, वह जगह लगभग 10 या 11 एकड़ थी। हाज़ोर उससे भी बड़ा है। यह एक बहुत बड़ा शहर है, इसलिए जब हाज़ोर जोशुआ में इन लोगों पर हमला करता है, तो हाज़ोर और उनके आस-पास के लोगों पर हमला होता है, आप जानते हैं, यह एक बड़ी लड़ाई है जो सामने आती है।

राजा का नाम याबीन है। यह शायद एक राजवंशीय नाम है। हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे जब हम न्यायियों की पुस्तक के बारे में बात करेंगे।

वही बात फिर से सामने आने वाली है। ठीक है, तो वे उसमें जीत जाते हैं, और जो मैंने पहले कहा था उसे दोहराते हुए, समझौता बाद में होता है। यह इस समय कोई कब्ज़ा नहीं है।

ये वे शुरुआती युद्ध हैं जिनमें परमेश्वर यह सुनिश्चित करता है कि इस्राएली विजयी हों। यह भूमि को विरासत में पाने का पहला कदम है। तो, आगे बढ़ने से पहले इस पर सवाल? हमें प्रमुख युद्धों और सबकों को देखने के मामले में कुछ और काम करने हैं।

ठीक है। ओह, कुछ तस्वीरें। मैं भूल गया था कि मैं इन्हें भी दिखाने वाला था।

जॉर्डन नदी बहुत ज़्यादा घुमावदार है। ठीक है, यह एक हवाई दृश्य है, और यह छोटी नदी है जैसा कि हम इसे अभी देख रहे हैं। आज पॉइंटर की समस्याएँ वास्तव में हैं।

यहाँ बाढ़ का विस्तृत मैदान है जिस पर काफी अच्छी खेती की जा रही है। ध्यान दें कि जब आप दोनों तरफ जाते हैं तो यह कितना बंजर है। यहाँ, हम वास्तव में जेरिको के पुराने नियम स्थल, टेल को देख रहे हैं।

यह यहीं नीचे है। बहुत बड़ा नहीं। जेरिको का आधुनिक शहर।

वहाँ से आगे, आप इसे धुंध में देख सकते हैं। मृत सागर, उत्तरी छोर, और फिर, ज़ाहिर है, यहाँ ऊपर ट्रांसजॉर्डन के पहाड़ हैं। तो, यह वह जगह है जहाँ वे एक बार छह दिनों तक और फिर सातवें दिन सात बार मार्च करते रहे होंगे।

अब, एक दिलचस्प बात यह है कि पुरातत्वविदों के बीच जेरिको की विजय के संदर्भ में एक बहुत बड़ी, बहुत बड़ी, बहुत बड़ी चर्चा और बहस चल रही है। क्या हमारे पास इसका सबूत है? क्या उस समय जेरिको बसा हुआ था? हम यह सब कैसे जान सकते हैं? और, ज़ाहिर है, आप किसकी बात पढ़ते हैं, इस पर निर्भर करते हुए आप एक पक्ष या दूसरे पक्ष में आते हैं। लेकिन बस कुछ बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

कैथलीन केन्यन नामक एक महिला के विपरीत, जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण पुरातत्वविद् थी, इसमें कोई संदेह नहीं है, उसने कहा कि जेरिको में कांस्य काल के अंत में बस्ती का कोई सबूत नहीं है क्योंकि वह एक विशेष प्रकार के अभिजात वर्ग के बर्तनों की तलाश कर रही थी, और वह वहाँ नहीं था। बाद के काम से पता चला है कि वास्तव में कांस्य काल के अंत के सबूत हैं, और यह वह समय अवधि है जब पलायन हुआ, पलायन, और विजय। वास्तव में वहाँ सबूत हैं।

फिर से, यह एक बहुत बड़ी बात है। अरे, अगर यह आपकी रुचि है, तो आप जानते हैं, अगर आप एक अर्थशास्त्र व्यवसाय प्रमुख हैं, एक अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रमुख हैं, तो पुरातत्व में डॉ विल्सन का कोर्स करें। मजेदार बात है।

किसी भी तरह से, उस समय बस्ती के सबूत मौजूद हैं। और दूसरी चीज़ जो उन्होंने खोजी है वह पूंछ के दक्षिणी छोर पर वाकई आकर्षक है। यहाँ आपको एक पत्थर की दीवार मिली है, ठीक है? यह एक पत्थर की दीवार है।

कांस्य विजय के अंतिम समय की अवधि के बारे में बता रहे हैं, शायद। फिर से, इस पर कुछ बड़ी बहस चल रही है और आप कह रहे हैं, आप हमें यह सब क्यों बता रहे हैं? मैं कहीं जा रहा हूँ, चिंता मत करो। ईंट की दीवारें गिर गईं।

तो, यह इस तरह काम करता है। आपके पास एक पत्थर की दीवार है, और उसके ऊपर, आपके पास एक ईंट की दीवार है। समझे? पत्थर की नींव वाली दीवार।

जेरिको के आस-पास बहुत ज़्यादा पत्थर नहीं हैं। यह जॉर्डन घाटी में है। आप अपने बड़े-बड़े निर्माण के लिए पत्थर आयात करते हैं, लेकिन फिर आप क्या इस्तेमाल करते हैं? आपको वहाँ बहुत सारी मिट्टी मिलती है, आपको बहुत सारी चीज़ें मिलती हैं जिनसे आप ईंटें बना सकते हैं।

आप ईंटें बनाते हैं और बहुत सी ऐसी संरचनाएँ बनाते हैं जो आपके रहने के स्थान का अभिन्न अंग हैं। और इसलिए, इस आधार नींव की दीवार के ऊपर वह है जिसे रिबेटमेंट दीवार कहा जाता है, माफ़ करें। तो, आपके पास ये मिट्टी की ईंट की दीवारें हैं।

उन्होंने पाया कि ये दीवारें इस विशेष खंड में बाहरी तरफ़ गिरी हुई हैं, जो कि टीले के दक्षिणी छोर पर है। तो, यहाँ सुझाव है। फिर से, इस पर बहुत बहस होगी, और शायद डॉ. हिल्डेब्रांट मुझसे इस बारे में बात कर सकते हैं और हम इस बारे में बहस कर सकते हैं, लेकिन सुझाव यह है कि जब ये दीवारें गिरी थीं, तो कुछ भूकंपीय गतिविधि हो सकती थी।

यह एक ऐसा क्षेत्र है जो भूकंपीय दृष्टि से बहुत सक्रिय है; भूकंप इसे दूसरे तरीके से कहते हैं, आप जानते हैं। दीवारें गिर गईं। इसका क्या मतलब है? लोग सीधे अंदर चले गए।

शायद, मैं वास्तव में चाहता हूँ कि मेरा पॉइंटर यहाँ काम करे। शायद जब यह सामान नीचे गिरा, तो इसने लगभग एक छोटा सा रैंप प्रदान किया। वे ऊपर जाते हैं, आप जानते हैं।

अब आपको दीवारों पर चढ़ने की ज़रूरत नहीं है। अब आपको बस इतना करना है कि इस सामान को पार करें और हमारी गिरी हुई मिट्टी की ईंटें एक ऐसी जगह होंगी जहाँ आक्रमणकारी वास्तव में सीधे मार्च कर सकते हैं। फिर से, डेटिंग एक मुद्दा है, मुझे पता है, लेकिन यह देखने के लिए एक दिलचस्प छोटी सी चीज़ है।

दूसरी बात यह है कि पत्थर की दीवारें बहुत तेजी से नष्ट नहीं होतीं। मिट्टी की ईंटें नष्ट हो जाती हैं।

और तुम मेरी तरफ़ देख रहे हो, और कह रहे हो, हाँ, लेकिन जॉर्डन घाटी में बहुत ज़्यादा बारिश नहीं होती। और तुम सही हो। बहुत ज़्यादा बारिश नहीं होती, लेकिन थोड़ी बहुत बारिश होती है।

और मैं आपको बस एक छोटा सा उदाहरण देता हूँ। हम पहली बार 1970 के दशक में, 1970 के दशक के मध्य में जेरिको गए और वहाँ गए। उस समय की जो तस्वीरें हमारे पास हैं, वे लगभग उतनी क्षरित नहीं हैं, तस्वीरें नहीं, बल्कि वे चीज़ें जिनकी हम तस्वीरें ले रहे थे, उनमें पिछले साल ली गई तस्वीरों जितना क्षरण नहीं दिख रहा है।

तो अब 25 साल या 30 साल के अंतराल में भी, जब बारिश होगी, तो बहुत सारी चीज़ें, अगर आप मिट्टी की चीज़ों की बात कर रहे हैं, बिखर जाएँगी। और इसलिए, अगर लोग मिट्टी की ईंटों की दीवारों के बहुत सारे अवशेषों की तलाश कर रहे हैं, अगर उन्हें किसी तरह की पैकिंग वगैरह से ढका नहीं गया है, तो उन्हें वे नहीं मिल सकते। शायद वे उन्हें न मिलें।

ठीक है, आपने जेरिको के बारे में जितना सुनना चाहा है, उससे कहीं ज़्यादा सुना होगा। मैं वास्तव में आपको थोड़ा सा रोमांचित करने और एक और कोर्स करने में आपकी रुचि जगाने की कोशिश कर रहा हूँ। सारा, क्या यह कोई सवाल है? नहीं।

हाँ? नहीं. नहीं. ठीक है.

हमने राहाब के बारे में भी पढ़ा है। अपने NIV में दिए गए फुटनोट पर मत जाइए, जिसमें लिखा है कि वह शायद एक सराय की मालकिन थी। बकवास।

वह ईशा ज़ोना है। इसका मतलब है वेश्यावृत्ति करने वाली महिला या वेश्यावृत्ति करने वाली महिला। इसका यही मतलब है।

वह दीवार में रहती है। यह जेरिको नहीं है क्योंकि हमारे पास ये दीवारें खड़ी नहीं हैं। लेकिन बीरशेबा में, आपके पास उसी तरह की पुरातात्विक, नहीं, वास्तुकला संरचना, शहर की योजना, वगैरह, वगैरह है।

यहाँ पर एक बाहरी दीवार और एक भीतरी दीवार है। और बीच में जगह है। और इसका इस्तेमाल अक्सर रहने की जगह के रूप में किया जाता था।

वास्तव में, यह शायद ऐसी शब्दावली है जिससे आप थोड़ा बेहतर तरीके से जुड़ सकते हैं, भले ही यह बहुत अच्छा न लगे। उन दीवार क्षेत्रों में रहने वाले लोग आमतौर पर हाशिए पर रहने वाले लोग थे - एक वेश्या के रहने के लिए अच्छी जगह।

मानव ढाल। क्या आप समकालीन चर्चाओं से इस शब्द को पहचानते हैं? मानव ढाल का इस्तेमाल कभी-कभी उन लड़ाकों की रक्षा के लिए किया जाता है जो उनके पीछे छिपना चाहते हैं। हम इसे समकालीन युद्ध के मुद्दों में कई जगहों पर देखते हैं, और यह बदसूरत है।

लेकिन यहाँ भी शायद यही हो रहा होगा। आबादी के कुछ हिस्से जिन्हें शायद थोड़ा ज्यादा बेकार समझा जाता था, जिनके पास शहर के अंदरूनी हिस्से में रहने के लिए पैसे नहीं थे, सुरक्षित थे, वगैरह, वगैरह, दीवारों के बाहर रह रहे थे। यहीं राहाब ने अपना खुद का व्यवसाय स्थापित किया।

और बेशक, जैसा कि आप जानते हैं, वह जासूसों को पनाह देती है, उनकी जान बचाने के लिए झूठ बोलती है, और फिर वह खुद बच जाती है क्योंकि वह अपनी खिड़की से लाल रंग की रस्सी लटका देती है। जब इस्राएली आते हैं, तो न केवल वह बल्कि उसका परिवार भी बच जाता है। तो, इस पूरी घटना में कई मायनों में कुछ वाकई दिलचस्प सबक हैं।

खैर, हम बेथेल और ऐ तक जाने के बारे में भी थोड़ी बात करने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि आपने यह तस्वीर पहले भी देखी होगी जब हम इज़राइल के भूगोल और स्थलाकृति के बारे में बात कर रहे थे। लेकिन अगर आप ऐ के इलाके में जा रहे हैं तो आपको यहाँ आना होगा।

वहाँ पर ट्रांसजॉर्डन है। यह जॉर्डन घाटी के ठीक ऊपर का इलाका है। और इसलिए इन वादियों और इन चट्टानों के साथ-साथ आना इतना आसान नहीं है।

ऊपर की ओर बढ़ना ही वह काम था जो इस्राएलियों को करना था। और अंत में, यहाँ ऐ है, या ऐ, जिसका अर्थ है बर्बादी। और पुरातात्विक साक्ष्य हमें बताते हैं कि जब तक इस्राएली आए, चाहे आपके पास पलायन की प्रारंभिक तिथि हो या बाद की तिथि, उस पूरी चर्चा को याद रखें? चाहे आप जिस भी तरफ जाएँ, यह जगह पहले से ही बर्बाद हो चुकी है।

यह कांस्य युग के आरंभ में एक बहुत बड़ा स्थान था। यह तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की बात है। लेकिन जब हम इस भूमि पर इस्राएलियों के आने तक पहुँचते हैं, तब तक यह खंडहर हो चुका होता है।

क्या यह दिलचस्प नहीं है कि बाइबिल के पाठ में इसे खंडहर कहा गया है? अब, इस मुद्दे का एक हिस्सा पुरातात्विक दृष्टिकोण से आता है। हालाँकि, उन्होंने इस खंडहर को कैसे जलाया? क्योंकि यह उन शहरों में से एक है जिन्हें जला दिया जाना चाहिए था। यह एक मुद्दा है। मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है।

यह अभी भी उन चीजों में से एक है जो थोड़ा संघर्षपूर्ण है। खैर, हमें प्रमुख अभियानों और हमारे पास बचे समय के बारे में बात करने की ज़रूरत है। मैंने राहाब का जिक्र किया है।

हमने हराम के निहितार्थों के बारे में बात की है। क्या आपको टोरा की कुछ रस्में पढ़ते समय पहले फलों का पूरा सिद्धांत याद है? इस्राएलियों को पहले फल भगवान के पास लाने थे। कई लोगों का सुझाव है कि जैसे-जैसे विजय आगे बढ़ी, यरीहो और यरीहो में मौजूद हर चीज़ को अपरिवर्तनीय रूप से भगवान को सौंपने का मतलब था भगवान को पहला फल देना।

यह भूमि का पहला फल है। इसलिए न केवल हर किसी की व्यक्तिगत छोटी भूमि उपज को पहला फल देना चाहिए था, यह इज़राइल को भगवान से उनकी भूमि अनुदान मिल रहा है और जेरिको पहला फल था और वे इसे भगवान को अर्पित कर रहे हैं। खैर, ऐ की विजय के संदर्भ में हमें जिस दूसरी बात पर बात करने की ज़रूरत है, वह शायद अधिक लागू होने वाला मामला है।

और अगर आपने डॉ. विल्सन को पढ़ा है, तो आप जानते होंगे कि उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया है। और अगर आप ऐसे चर्च में रहे हैं जहाँ हम इस बारे में काफ़ी प्रचार करते हैं, तो शायद आपको यह बात चर्च में पले-बढ़े होने की वजह से मिली होगी। हम एक व्यक्तिवादी संस्कृति में रहते हैं, जो पहले नहीं थी।

जब हम आकान के बारे में कहानी देखते हैं तो यह बहुत स्पष्ट है कि एक व्यक्ति के पाप का पूरे समुदाय पर गहरा और विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। यही आकान की कहानी है। यह उसके और परमेश्वर के बीच नहीं है कि वह यह सब छिपाए रखे और इसके बारे में झूठ बोले।

इस्राएलियों की मृत्यु और उसके द्वारा किए गए कार्यों के संदर्भ में इसके भयानक निहितार्थ हैं। और मैं कहूँगा कि यह अभी भी सत्य है। इसीलिए पॉल 1 कुरिन्थियों 5 में कहता है, अपने बीच में मौजूद खमीर को निकाल दें, उस चर्च से बात करें जो वहाँ उस अनाचारपूर्ण संबंध को सहन कर रहा है, क्योंकि यह पूरे समुदाय में व्याप्त होने वाला है।

तो, आकान की स्थिति हमारे लिए कुछ अच्छे सबक हैं। बेथेल ऐ की विजय और उस कथा के बीच जिसका मैंने कुछ समय पहले गिबोन के संबंध में उल्लेख किया था, अध्याय 8 के अंत में हमें थोड़ा विराम मिलता है। और लोग शेकेम जाते हैं। वहाँ आपको एबाल पर्वत और गिरिजिम पर्वत दोनों मिलेंगे, और जनजातियाँ, मूसा द्वारा उन्हें बताए गए अनुसार, खड़े होकर शाप और आशीर्वाद का उच्चारण करने जा रही हैं और उस बिंदु पर एक वाचा प्रतिज्ञान समारोह आयोजित करेंगी।

खैर, मैंने पहले ही गिबोनियों के धोखे के बारे में बात की है, आप जानते हैं, सड़ी हुई फफूंद वाली रोटी और इसी तरह की अन्य बातें। वे यह संधि करते हैं। वे शपथ लेकर इसकी पुष्टि करते हैं।

और यद्यपि यह इस्राएलियों की ओर से एक मूर्खतापूर्ण निर्णय के तहत किया गया था, फिर भी वे अपनी संधि को निभाते हैं, एक तरह से यह एक प्रतिज्ञा की तरह है, आप जानते हैं। इसलिए, यरूशलेम परिसंघ उनके खिलाफ़ आता है। जब हमने मानचित्र देखा, तो मैंने इसके निहितार्थों के बारे में बात की।

यरूशलेम, हेब्रोन, लाकीश, एग्लोन और यारमाउथ, इन पांच शहरों पर कब्ज़ा करने के परिणामस्वरूप, वे दक्षिण में पैर जमा लेंगे। और यह दक्षिणी अभियान है। मैंने पहले ही उत्तरी अभियान और हाज़ोर का ज़िक्र किया है।

अब, पाँच मिनट में, हमें कुछ और काम करने हैं। हमें इस तथ्य पर ध्यान देने की ज़रूरत है कि जोशुआ के पाठ में ही कहा गया है, अरे, कुछ चीज़ें हैं जो उन्होंने नहीं लीं। और इसका मुख्य रूप से तटीय मैदान, यानी, उन महानगरीय क्षेत्रों और फिर जेज़ेल घाटी से संबंध है।

यहाँ हम जोशुआ के व्यवसाय अनुभाग में पहुँचते हैं। मैं चाहता हूँ कि आप कहीं से यह नक्शा ढूँढ़ लें। अगर आपके पास अध्ययन बाइबल है तो यह शायद आपकी बाइबल के पीछे होगा क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप प्रमुख जनजातीय आबंटनों के बारे में जानें।

मैं इस बारे में ज़्यादा परेशान नहीं होने जा रहा हूँ कि यहाँ किसके पास क्या है, आप जानते हैं, खास तौर पर जबूलून और इस्साकार कहाँ हैं। लेकिन आपको यहूदा के बारे में यहाँ जानना होगा। अभी उन्हें लिख लें और बाद में आप उन्हें ढूँढ़ सकते हैं।

आपको बेंजामिन को जानना चाहिए क्योंकि हमें बेंजामिन के बारे में बहुत कुछ कहना है। आपको एप्रैम को जानना चाहिए। यूसुफ के दो बेटे याद हैं? उन दोनों को मिलाकर उन्हें ज़मीन का एक पूरा टुकड़ा मिलता है।

मनश्शे यरदन नदी के दोनों ओर है। आपको रूबेन और गाद को जानना चाहिए। और दान को जानना भी मददगार होगा क्योंकि दान, खैर, दान कुछ दिलचस्प कदम उठाने जा रहा है।

तो आपको इन सातों के बारे में जानना चाहिए। फिर से, मैं आशेर, नप्ताली, जबूलून, इस्साकार और शिमोन के बारे में इतना चिंतित नहीं हूँ। शरण के लिए ऐसे शहर भी हैं जो स्थापित किए गए हैं।

शरण नगर किस लिए था? हाँ, अनैच्छिक हत्या। अगर वे इस तरह का अपराध करते हैं, तो व्यक्ति उस स्थान पर भाग सकता है जहाँ वे हैं। हेब्रोन उनमें से एक है।

शेकेम दूसरा है। कादेश तीसरा है। आप देख रहे हैं कि वे कितने समान रूप से दूरी पर हैं? मुझे उन्हें फिर से चलाने दें।

हेब्रोन, शेकेम, कादेश। जॉर्डन के पश्चिमी किनारे पर तीन हैं, बराबर दूरी पर ताकि कोई भागने वाला व्यक्ति पीछा करने वाले से पहले वहाँ पहुंच सके।

गोलान पूर्वी दिशा में है। रामोथ-गिलियड। हाँ, वे एक दूसरे के बहुत करीब हैं, लेकिन बीच में एक वाड़ी है जो इतनी गहरी है कि यह वास्तव में भू-राजनीतिक विभाजन है।

और फिर यहाँ नीचे, एक जगह है जिसका नाम है बेसेर। लेवियों का क्या हुआ? क्या किसी को याद है कि लेवियों का क्या हुआ? उन्हें 46 शहर मिले। 46 शहर।

सभी को अलग-अलग शहरों में अलग-अलग जगह पर रखा जाएगा। क्यों? लेवियों को अपनी खुद की जनजाति विरासत नहीं मिली। इसके बजाय, उन्हें पूरे शहर में रखा गया क्योंकि लेवियों की मुख्य ज़िम्मेदारियों में से एक क्या थी? टोरा को पढ़ाना।

तो यहाँ वे परमेश्वर के लोगों के इस पूरे समूह में तैनात हैं, और उन्हें टोरा सिखाना चाहिए। खैर, बस एक और बात, और फिर हम रुकेंगे। जोशुआ देता है... हाँ, मुझे खेद है, रेबेका।

ब्लैकबोर्ड पर। मैं ऐसा नहीं करना चाहता क्योंकि यह एटलस से लिया गया है और इसलिए मैं इसे इस तरह प्रकाशित नहीं कर सकता। मुझे पता है कि ब्लैकबोर्ड एक आंतरिक चीज़ है, लेकिन फिर भी मैं ऐसा नहीं करना चाहता, कहीं ऐसा न हो कि हम किसी समस्या में पड़ जाएँ।

आप इन चीज़ों को किसी भी तरह के एटलस में पा सकते हैं और मैं कहूँगा कि आप अपना खुद का एटलस बनाएँ। यह एक अच्छा शैक्षणिक उपकरण है। मेरी इच्छा है कि मैं ऐसा कर सकूँ, लेकिन मैं कोई कॉपीराइट समस्या नहीं पैदा करना चाहता।

जोशुआ ने जोशपूर्ण भाषण देते हुए कहा कि लोग प्रभु के प्रति सच्चे रहेंगे। यह अध्याय 23 और 24 में होने जा रहा है और अंत में मैं एक और अंश पढ़ना चाहता हूँ जो मुझे यकीन है कि आपने संडे स्कूल में याद किया होगा। श्लोक 14.

यहोवा का भय मानो। उसकी सेवा सच्चाई से करो। अपने देवताओं को त्याग दो।

अगर यहोवा की सेवा करना तुम्हें बुरा लगता है, तो आज ही तय कर लो कि तुम किसकी सेवा करोगे, क्या उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पूर्वज नदी के उस पार करते थे या एमोरियों के देवताओं की जिनकी भूमि में तुम रहते हो। लेकिन जहाँ तक मेरा और मेरे घराने का सवाल है, हम यहोवा की सेवा करेंगे। याद है? जहाँ तक मेरा और मेरे घराने का सवाल है, हम यहोवा की सेवा करेंगे।

ठीक है। अब रुकने का समय है। शब्बत शालोम।

सोमवार को मिलते हैं। मुझे उम्मीद है कि आज बाद में आपकी परीक्षाएँ आपके बक्सों में वापस आ जाएँगी। फिर से, अगर आपके कोई सवाल हैं, तो आकर पूछिए।